DATE: / / PAGE NO. B+

की उस प्रवृत्ति का चित्रण है जिसमें आभूषणप्रियता के कारण परिवार में महान संकट उपस्थित हो जाता है और रमानाथ जैसे लोगों को गबन करके जेल जाने की नौबत आ जाती है इससे पुलिस द्वारा निर्दोषों को फँसाने के लिये झूठे गवाह बनाने आदि के हथकंडों को दिखाया गया है 'जालपा' के रूप में प्रेमचन्द्र ने राष्ट्रीय भाव की प्रेरणा दी है।

गोदान → प्रेमचन्द्र जी का अन्तिम और सर्वश्रेष्ठ उपन्यास है भाव, विषय वस्तु, भाषा और उपन्यास कला की दृष्टि से इसमें प्रौढ़ता है गोदान का होरी अमर चरित्र है भारतीय किसानों का प्रतिनिधित्व करता है 'गोदान' में आकर आकर प्रेमचन्द्र का आदर्श दृष्टिकोण यथार्थवादी हो गया।

प्रेमचन्द्र जी के उपन्यासों पर एक व्यापक दृष्टि डालने से स्पष्ट हो जाता है कि यथार्थ में हिन्दी उपन्यास को विकास पथ पर लाने का श्रेय उन्हीं को है और वे ही उपन्यास सम्राट कहलाने के अधिकारी है प्रेमचन्द्र के उपन्यास उनके युग का समग्र चित्र लेकर सामने आते है।

प्रेमचन्द्र के उपन्यासों में समाज में व्याप्त दमन और उत्पीड़न का यथार्थ चित्रण हुआ है जो मध्यम वर्ग, जमींदार, पूँजीपति, किसान, मजदूर, अछूत और समाज के बहिष्कृत बहिष्कृत व्यक्तियों के जीवन को संचालित करती है। इस प्रकार प्रेमचन्द्र के उपन्यास समाज का यथार्थ चित्र होने के साथ में समाज के स्रष्टा भी है।

इनके उपन्यासों का दृष्टिकोण निर्माणात्मक है।

01-04-20 09:41
Premium

DATE: / / B+
PAGE NO.

उत्पन्न होने वाली कुरीतियों का यथार्थ चित्रण है इन कुरीतियों का परिणाम भी उन्होंने दिखाया है पात्रों में सजीवता है वे बिल्कुल हमारे बीच के हैं। और उनके चरित्र का विकास उनकी आन्तः प्रवृत्तियों के अनुसार होता है इस उपन्यास की कथावस्तु और कथोपकथन और भाषा शैली में भी मौलिकता है।

प्रेमाश्रय → में भारतीय ग्रामीण जीवन का चित्रण है इनमें पुरानी सामन्ती और जमींदारी सभ्यता का यथार्थ रूप सामने आया है जो स्वयं में खोखली हो चुकी है, परन्तु किसानों का शोषण कर रही है 'प्रेमाश्रय' में गाँधीवादी समझौता पद्धति से समाज की विषमताओं का समाधान प्रस्तुत किया गया है

रंगभूमि → रंगभूमि का कथानक बहुत उलझा हुआ है, परन्तु सूरदास, विनय, सोफिया आदि चरित्र अपने चरित्र के विशेषताओं के कारण अमर है इस उपन्यास में हिन्दू, मुसलमान, इसाई, किसान, मजदूर, पूँजीपति आदि सभी वर्गों का चित्रण हुआ है।

कायाकल्प :→ की कथा में अलौकिकता है इसमें रानी देवप्रिया की अतृप्त वासना का नग्न चित्र उपस्थित हुआ है 'कायाकल्प' का कथानक असंगठित है।

प्रतिज्ञा :→ 'गबन' और 'निर्मला' प्रेमचन्द्र के छोटे उपन्यास है इनमें सामाजिक समस्याओं का चित्रण है। 'गबन' में रूढ़िवादी समाज

01-04-20 09:41
Premium

प्रश्न→ प्रेमचन्द्र के उपन्यासों की संक्षेप में विशेषताएँ बतलाइये।

उत्तर- प्रेमचन्द्र जी के उपन्यास-साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

① प्रेमचन्द्र जी उपन्यास को मानव-चरित्र का चित्र मानते हैं।

② उपन्यास में मानव-चरित्र को स्पष्ट करने के लिये घटनाओं का अवलम्ब ग्रहण किया जाता है।

③ घटनाओं में यथार्थ और करुणा का संतुलित समन्वय रहता है।

④ प्रेमचन्द्र के उपन्यासों में उनकी विचारधारा का वैयक्तिक एवं स्वतंत्र निरूपण हुआ है।

⑤ प्रेमचन्द्र के उपन्यासों की शैली सजीव और प्रभावोत्पादक एवं भाषा सरल है।

प्रेमचन्द्र के समस्त उपन्यास उनकी उन्नत मान्यताओं की कसौटी पर खरे ठहरते हैं। उनके उपन्यासों में बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ से लेकर सन 1936 ई० तक समस्त राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन स्पष्ट हुआ है। यदि इस युग का यथार्थ संघर्ष जानना है, तो प्रेमचन्द्र के उपन्यास पढ़ना अनिवार्य हो जाता है। उनके कथानक का क्षेत्र ग्रामों से लेकर शहर तक फैला हुआ है ग्रामीण समाज और कृषकों की दशा के चित्रण में प्रेमचन्द्र जी का मन विशेष रूप से जमा।

सेवासदन → प्रेमचन्द्र जी का प्रथम उपन्यास है इसमें समाज और ...को

01-04-20 09:40